SS
COACHING

हिंदी
(201)
शिक्षक अंकित मूल्यांकन-पत्र

कुल अंक : 20

निर्देश : (i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके आगे अंकित हैं।

(ii) उत्तर-पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन-केंद्र का नाम एवं विषय लिखिए।

खंड-क

लगभग 50 शब्दों में उत्तर लिखिए :

1. 'अंधेर नगरी' नाटक का पात्र गोबरधनदास लोभ के कारण संकट में फँसता है। अपने किसी अनुभव से इस नाटक की इस उक्ति की पुष्टि कीजिए- 'लोभ पाप को मूल है, लोभ मिटावत मान।' 2

(पाठ-15 देखें)

अथवा

बहादुर कहानी में मध्यवर्गीय परिवार की दिखावटी मानसिकता का चित्रण है। उपभोक्तावाद के बढ़ने के साथ-साथ यह प्रवृत्ति बढ़ रही है- अपने परिवेश के किसी उदाहरण से इस बात की पुष्टि कीजिए।

(पाठ-1 देखें)

2. कबीर के गुरु-शिष्य संबंध को कुम्हार और घड़े के रूप में प्रस्तुत किया है और कहा है 'अंतर हाथ सहार दे, बाहर बाहै चोट।' माता-पिता भी गुरु होते हैं, उपर्युक्त पंक्ति के संदर्भ में उनके व्यवहार को समझाने वाला कोई अनुभव लिखिए। 2

(पाठ-2 देखें)

अथवा

'उनको प्रणाम' कविता के संदर्भ में अपनी माँ के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके विषय में लिखिए।

(पाठ-20 देखें)

3. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ पढ़कर आपने सफलता और चरितार्थता में अंतर करना सीखा। अपने जीवन की किसी ऐसी घटना के बारे में लिखिए जब आपने अस्तित्व (अपने होने) को चरितार्थ (सार्थक) महसूस किया हो। 2

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग 50 शब्दों में लिखिए-

जहाँ भी दो नदियाँ आकर मिल जाती हैं, उस स्थान को अपने देश में तीर्थ कहने का रिवाज़ है। और, यह

केवल रिवाज़ की बात नहीं है, हम सचमुच मानते हैं कि अलग-अलग नदियों में स्नान करने में जितना पुण्य होता है, उससे, कहीं अधिक पुण्य संगम-स्नान में है। किन्तु, भारत आज जिस दौर से गुज़र रहा है, उसमें असली संगम वे स्थान, वे सभाएँ, वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, अनेक जनपदों के आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना जनपदों के मिलन का ही प्रतीक है। यही हाल भाषाओं का भी है। उनके भीतर भी नाना जनपदों में बसने वाली जनता के आँसू और उमंगें, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं।

खंड-ख

लगभग 100-150 शब्दों में उत्तर लिखिए :

4. 'आज़ादी' कविता में वास्तविक आज़ादी को कर्म अथवा श्रम से जोड़ा गया है। उपभोक्तावाद के इस दौर में इस विचार की पुष्टि करते हुए टिप्पणी लिखिए। 4

(पाठ-7 देखें)

अथवा

'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने कहा है–

'इस विजन में
दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

– उपर्युक्त कथन के संदर्भ में व्यापारिक नगर में क्षीण होते प्रेम के कारणों पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(पाठ-8 देखें)

5. आपने 'रॉबर्ट नर्सिंग होम में' पाठ में मदर टेरेसा एवं अन्य समाजसेवी महिलाओं के विषय में पढ़ा है। आप भविष्य में समाजसेवा के किस क्षेत्र को चुनेंगे और उसमें आपकी कार्य-योजना एवं कार्य-पद्धति क्या होगी– विस्तार से लिखिए। 4

(पाठ-5 देखें)

अथवा

'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के आरंभ में प्रेमचंद ने अवध राज्य के वातावरण का विश्लेषणपरक यथार्थ चित्रण किया है। आप अपने देश की वर्तमान स्थितियों का चित्रण करते हुए एक लेख लिखिए।

(पाठ-19 एवं 22 देखें)

खंड-ग

परियोजना तैयार कीजिए :

6. 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में कवयित्री ने पर्यावरण के सम्मुख उपस्थित संकट के विषय में पाठक की संवेदना को क्रियाशील करते हुए जागरूकता उत्पन्न की है। अपने परिवेश में पर्यावरण-संकट का चित्रों एवं समाचार-पत्रों की कतरन सहित वर्णन करते हुए उसको दूर करने के उपायों के सुझाव देते हुए एक परियोजना तैयार कीजिए। 6

अथवा

'वास्तविक सौंदर्य कर्म में निहित है' विषय पर विभिन्न विद्वानों, नेताओं और समाजसेवियों के विचारों एवं कार्यों का उल्लेख करते हुए एक परियोजना तैयार कीजिए।

To score better in nios and for good percentage contact @ 9839065533